छत्तीसगढ़ मासिक करेंट अफेयर्स 2023

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

माह- मार्च

PART-1

BHEEM
PSC ACADEMY

1. महासमुंद में पाँच संकल्प कार्यक्रम का शुभारंभ

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब	--	**28 फरवरी, 2023**
शुभारम्भ कर्ता	--	**निलेशकुमार क्षीरसागर (कलेक्टर,महासमुंद)**
संयुक्त तत्वावधान	--	**ज़िला प्रशासन महासमुंद और यूनिसेफ**
उद्देश्य	--	**पाँच स्वस्थ्य व्यवहारों के प्रति जनमानस में जागरूकता लाना**
पाँच स्वस्थ्य व्यवहार (पाँच संकल्प)	--	1. **स्वस्थ किशोरावस्था का संकल्प** 2. **प्रसव पूर्व जाँच व संस्थागत प्रसव का संकल्प** 3. **एनीमिया मुक्ति का संकल्प** 4. **स्तनपान को बढ़ावा देने का संकल्प** 5. **संपूर्ण पोषण विविधता का संकल्प**

2. छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक 27वाँ भोरमदेव महोत्सव

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब -- 19 और 20 मार्च , 2023

आयोजन प्रतिवर्ष चैत्र महीने के कृष्ण पक्ष तेरस

आयोजन कर्ता

- छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति एवं पर्यटन विभाग
- भोरमदेव महोत्सव आयोजन समिति
- ज़िला प्रशासन
- भोरमदेव तीर्थ प्रबंधकारिणी समिति एवं जनसहयोग

इतिहास

- प्रारंभ में भोरमदेव में महाशिवरात्रि एवं चैत्र कृष्ण तेरस को दो तिथियों पर मेले का आयोजन किया जाता रहा है। सन् 1995 में अविभाजित मध्य प्रदेश में तेरस मेला को भोरमदेव महोत्सव का स्वरूप दिया गया। 1998 में कबीरधाम ज़िला गठित होने के बाद 1999 में भोरमदेव महोत्सव का पाँचवां आयोजन हुआ। छत्तीसगढ़ नया राज्य गठित होने के बाद 2001 में भोरमदेव महोत्सव का सातवाँ आयोजन हुआ।

विशेष

1. 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो'
2. नागर शैली का एक सुंदर उदाहरण

3. साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को पेन/नाबोकोव सम्मान

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब -- **2 मार्च, 2023**

स्थान -- **न्यूयॉर्क ,अमेरिका**

ग्रहण कर्ता -- **हिन्दी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल**

पुरस्कार -- **पेन/नाबोकोव पुरस्कार (PEN/Nabokov Award)**

विशेष --

- अंतर्राष्ट्रीय साहित्य में पेन/नाबोकोव अवॉर्ड फॉर अचीवमेंट, जिसे आम तौर पर पेन/नाबोकोव पुरस्कार के रूप में जाना जाता है, पेन अमेरिका द्वारा द्विवार्षिक रूप से लेखकों, मुख्य रूप से उपन्यासकारों को प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार अमेरिकी ओपेरा सिंगर और अनुवादक दिमित्री नाबोकोव द्वारा स्थापित व्लादिमीर नाबोकोव फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित है। इसे सबसे प्रतिष्ठित पेन पुरस्कारों में से एक कहा जाता है।

3. साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को पेन/नाबोकोव सम्मान

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

विनोद कुमार शुक्ल-

जीवन परिचय-

▪	तत्कालीन मध्य प्रदेश और वर्तमान छत्तीसगढ़ के राजनंदगाँव में 1937 में जन्मे विनोद कुमार शुक्ल को उनकी विशिष्ट लेखन शैली के लिये पहचाना जाता है। उनकी शैली को अक्सर 'जादुई यथार्थवाद'के करीब माना जाता है, यानी जो 'कल्पनाशीलता'के साथ भी 'यथार्थ'को धारण करने वाला है।
▪	उनकी कविता और उनके लेखन में भारतीय मध्य वर्ग की विडंबनाओं का सरल भाषा में वर्णन है। उनके पहले उपन्यास 'नौकर की कमीज'ने दशकों पहले एक नए तरह के गद्य के स्वाद से परिचित कराया था। 'नौकर की कमीज'पर प्रख्यात फिल्मकार मणि कौल ने इसी नाम से एक यादगार कला फिल्म भी बनाई थी।

उत्कृष्ट रचनाएँ-
(प्रमुख उपन्यास)

'नौकर की कमीज'(1979)
'खिलेगा तो देखेंगे'(1996)
'दीवार में एक खिड़की रहती थी'(1997)
'हरी घास की छप्पर वाली झोपड़ी और बौना पहाड़'(2011)
'यासि रासा त'(2017)
'एक चुप्पी जगह' (2018)

3. साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को पेन/नाबोकोव सम्मान

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

विनोद कुमार शुक्ल-

अन्य रचनाएँ (प्रमुख कविता संग्रह)-

‘लगभग जयहिन्द’(1971)
‘वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहिनकर विचार की तरह’(1981)
‘सब कुछ होना बचा रहेगा’ (1992)
‘अतिरिक्त नहीं’ (2000)
‘कविता से लंबी कविता’(2001)
‘आकाश धरती को खटखटाता है’(2006)
‘कभी के बाद अभी’ (2012)

NOTE-

▪	अपनी विशिष्ट भाषायी शैली और भावनात्मक गहराई के लिये जाने जाने वाले शुक्ल को 1999 में ‘दीवार में एक खिड़की रहती थी’के लिये साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
▪	साहित्य अकादमी पुरस्कार के अलावा उन्हें गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप (मध्य प्रदेश शासन), रजा पुरस्कार (मध्य प्रदेश कला परिषद), राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान (मध्य प्रदेश शासन), हिन्दी गौरव सम्मान (उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, उत्तर प्रदेश शासन) जैसे पुरस्कार मिल चुके हैं।

4. मुख्यमंत्री ने संत कवि पवन दीवान के नाम से राज्य अलंकरण पुरस्कार प्रदाय करने की घोषणा

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब -- **3 मार्च, 2023**

घोषणाकर्ता -- **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी**

स्थान -- **राजधानी रायपुर**

आयोजन -- **'संत कवि पवन दीवान'श्रद्धांजलि सभा एवं सम्मान समारोह**

प्रमुख बिंदु --

▪	संत कवि पवन दीवान के नाम से यह पुरस्कार आगामी राज्य अलंकरण समारोह से प्रतिवर्ष प्रदान किये जाएंगे।
▪	मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर साहित्य तथा कविता लेखन के क्षेत्र में विशिष्ठ योगदान के लिये छत्तीसगढ़ के कवि तथा साहित्यकारों को सम्मानित भी किया।
▪	इनमें पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे को विप्रकुल गौरव शिखर सम्मान-2023 से नवाजा गया। इसी तरह अरूण कुमार निगम तथा काशीपुरी कुंदन को संत कवि पवन दीवान स्मृति अस्मिता सम्मान से पुरस्कृत किया गया।
▪	प्रत्येक को पुरस्कार स्वरूप 21-21 हज़ार रुपए की राशि और शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।
▪	उन्होंने इस मौके पर विप्र योग पत्रिका तथा विप्र महाविद्यालय के मासिक बुलेटिन का विमोचन भी किया।

4. मुख्यमंत्री ने संत कवि पवन दीवान के नाम से राज्य अलंकरण पुरस्कार प्रदाय करने की घोषणा

संत कवि पवन दीवान --

▪	छत्तीसगढ़ के प्रयाग कहे जाने वाले राजिम (महानदी पैरी और सोदूर नदी का जीवंत संगम) के पास स्थिति किरवई गाँव में 1 जनवरी, 1945 को प्रतिष्ठित ब्राम्हण परिवार में संत कवि पवन दीवान का जन्म हुआ था।
▪	वर्ष 1975 में आपातकाल के बाद सन् 1977 में वे जनता पार्टी के टिकट पर राजिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और कॉन्ग्रेस के दिग्गज नेता श्यामाचरण शुक्ल (कॉन्ग्रेस पार्टी) को हराकर सबको चौंका दिया। वे अविभाजित मध्य प्रदेश में जनता पार्टी की सरकार में जेल मंत्री रहे।
▪	इसके बाद वे कॉन्ग्रेस के साथ आ गए और फिर पृथक् राज्य छत्तीसगढ़ बनने तक कॉन्ग्रेस में रहे। पूर्व सरकार में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे।

5. मुख्यमंत्री ने विशेष संरक्षित जनजातियों पर आधारित पुस्तिका 'जात्रा' का किया विमोचन

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब -- **3 मार्च, 2023**

विमोचनकर्ता -- **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी**

विमोचित पुस्तक -- **'जात्रा' (लेखक - डॉ. सत्यजीत साहू)**

प्रमुख बिंदु --

▪	डॉ. सत्यजीत साहू ने बताया कि पुस्तिका में छत्तीसगढ़ में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातियों के संकेंद्रण, उनकी जीवनशैली, रहन-सहन और खान-पान का उल्लेख किया गया है।
▪	इसके साथ ही उनकी टीम के द्वारा शिविर के माध्यम से इन जनजातियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने के साथ ही छोटी-मोटी बीमारियों के प्रति भ्रांतियों को दूर करने के लिये किये गए प्रयासों की भी जानकारी दी गई है।
▪	उन्होंने बताया कि उनकी टीम सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में कैंप लगाकर राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी देने के साथ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवँ दवाइयाँ भी मुहैया करा रही है।

6. मुख्यमंत्री ने रायपुर में गहोई भवन का किया लोकार्पण

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब	--	**5 मार्च, 2023**
स्थान	--	**राजधानी रायपुर में एम्स के समीप टाटीबंध में**
निर्माण	--	**श्रीगहोई वैश्य समाज द्वारा बनवाए गए नवनिर्मित भवन**
लोकार्पण	--	**मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी**
प्रमुख बिंदु	--	

▪	इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि एम्स में मरीजों के इलाज के दौरान मरीजों और उनके परिजनों के रुकने की व्यवस्था के लिये श्रीगहोई वैश्य समाज द्वारा यह भवन बनवाया गया है।
▪	उन्होंने बताया कि नवनिर्मित भवन के बनने से दूसरे समाज के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ के बाहर दूसरे राज्यों से आने वाले मरीजों के लिये यह भवन काफी उपयोगी होगा। कई बार इलाज के लिये काफी समय के लिये रुकना पड़ता है, ऐसे में इस भवन के माध्यम से मरीजों और उनके परिजनों की रुकने की समस्या का समाधान हो सकेगा और उन्हें काफी राहत प्रदान करेगा।
▪	मुख्यमंत्री ने बताया कि समाज का यह कार्य उच्चकोटि की मानव सेवा है। कोई भी समाज जिसके पास जमीन नहीं है, उन्हें सामाजिक कार्यों के लिये निर्धारित राशि देने पर भू-खंड दिया जा रहा है। कलेक्टर गाइडलाइन को भी 30 प्रतिशत कम कर दिया है।

7. स्कूल शिक्षा विभाग को मिला एमबिलियंथ अवॉर्ड

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब	--	6 मार्च, 2023
पुरस्कार	--	एमबिलियंथ पुरस्कार
ग्रहण कर्ता	--	स्कूल शिक्षा विभाग
कारण	--	'निकलर ऐप' द्वारा पढ़ाई कराने के लिये

8. ग्राम सोंड्रा में मिली पांडुवंशी काल की बुद्ध प्रतिमा

कब -- **10 मार्च, 2023**

प्राप्ति -- **पांडुवंशी काल की प्राचीन बुद्ध प्रतिमा**

स्थान -- **रायपुर-बिलासपुर मार्ग में स्थित ग्राम सोंड्रा**

प्रमुख बिंदु --

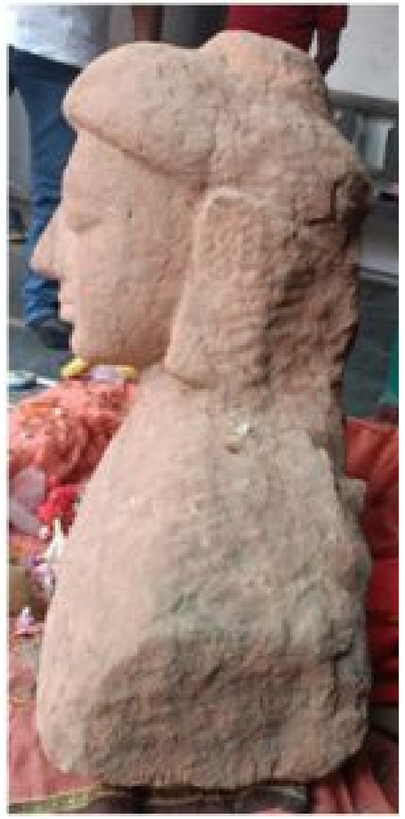

- गौरतलब है कि ग्राम सोंड्रा में दिलेंद्र बंछोर द्वारा व्यक्तिगत आवास परिसर में गृह निर्माण हेतु किये जाने वाले उत्खनन कार्य के दौरान भूमि की सतह से लगभग 3 फीट की गहराई से बुद्ध की प्रतिमा प्राप्त हुई है।
- इस संबंध में जानकारी मिलते ही पुरातत्त्व विभाग की टीम (डॉ. पी.सी. पारख, डॉ. वृषोत्तम साहू तथा डॉ. राजीव मिंज) के द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया।
- पुरातत्त्व एवं अभिलेखागार विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रायपुर से बिलासपुर मुख्य मार्ग में 16 किमी. की दूरी पर सांकरा से 2 किमी. पश्चिम दिशा में ग्राम सोंड्रा स्थित है। उक्त स्थल से खारुन नदी लगभग 3 किमी. पश्चिम दिशा पर स्थित है। प्रतिमा प्राप्ति स्थल ग्राम के सबसे ऊंचाई वाले भाग पर स्थित है और यहाँ प्राचीन टीला होने के साक्ष्य दिखाई देते हैं।

8. ग्राम सोंड्रा में मिली पांडुवंशी काल की बुद्ध प्रतिमा

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

प्रमुख बिंदु --

▪	अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय बलुआ पत्थर में निर्मित इस प्रतिमा की चौड़ाई 74 सेंटीमीटर, ऊँचाई 87 सेंटीमीटर, मोटाई 40 सेंटीमीटर है।
▪	बुद्ध की इस विशाल प्रस्तर प्रतिमा के माथे पर ऊर्णा (तिलक चिह्न) का अंकन इसे अनोखा रूप प्रदान करती है और इस आधार पर इसके ध्यानी बुद्ध होने की संभावना अधिक प्रतीत होती है। बुद्ध की यह आवक्ष प्रतिमा अपूर्ण है, जिस पर छेनी के चिह्न साफ दिखाई दे रहे हैं।
▪	त्रि-स्तरीय निर्माण तकनीक में बनी बुद्ध प्रतिमा का यह ऊपरी भाग है। इस तकनीक का प्रयोग बलुआ पत्थर की विशाल प्रतिमाओं के निर्माण हेतु किया जाता था, जिसमें किसी प्रतिमा को तीन प्रस्तर खंडों में योजना के अनुरूप स्तरों में निर्मित कर लंबवत स्थापित किया जाता था। इस तकनीक की बनी बुद्ध प्रतिमा के उदाहरण छत्तीसगढ़ के सिरपुर व राजिम और बिहार के बोधगया में देखे जा सकते हैं।
▪	अधिकारियों ने बताया कि स्थल निरीक्षण करने पर यहाँ अन्य प्रतिमाओं के होने की भी जानकारी प्राप्त हुई है, जो कि निकट ही में स्थित मंदिर में तथा मंदिर के बगल में बने चबूतरे पर स्थापित हैं।
▪	प्रतिमाओं में भूमिस्पर्श मुद्रा में बुद्ध, उपासक, अज्ञात स्थानक प्रतिमा, योगिक ध्यानी मुद्रा में बुद्ध, ललितासन मुद्रा तारा, स्थानक बोधिसत्त्व के साथ ही 4 शिवलिंग, 4 खंडित पायदार सिलबट्टे, 1 प्रणाल युक्त प्रतिमा पीठ, कुछ खंडित प्रतिमाएँ व स्थापत्य खंड प्राप्त हुए हैं। उक्त स्थल का पुरावशेष पांडुवंशी काल का (6वीं से 9वीं शताब्दी ई.) प्रतीत हो रहा है।

9. ‘अंगना म शिक्षा’कार्यक्रम को मिला वर्ष 2022 का स्कॉच अवार्ड

BHEEM PSC ACADEMY
हमारा लक्ष्य आपकी सफलता

कब -- **13 मार्च, 2023**

पुरस्कार -- **स्कॉच अवार्ड 2022**

ग्रहण कर्ता -- **स्कूल शिक्षा विभाग**

कारण -- **राज्य में समग्र शिक्षा द्वारा संचालित ‘अंगना म शिक्षा’कार्यक्रम के तहत**

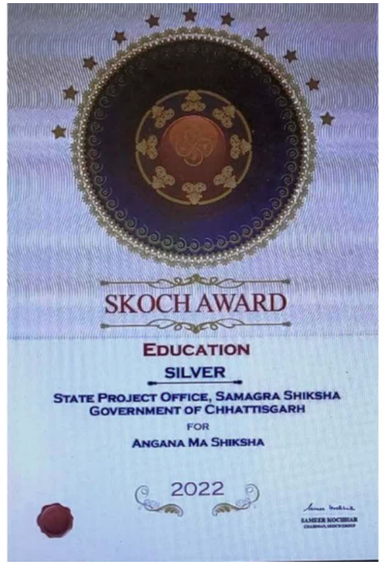

स्कूल शिक्षा विभाग
छत्तीसगढ़ शासन

प्रमुख बिंदु --

▪	‘अंगना म शिक्षा’का यह पूरा कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की महिला शिक्षिकाओं के समूह द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष इस कार्यक्रम का तीसरा वर्ष होगा और प्रतिवर्ष इसमें महिला नेतृत्व द्वारा कुछ नया डिजाइन शामिल किया जाता है।
▪	उल्लेखनीय है कि स्कॉच अवार्ड एक स्वतंत्र संगठन द्वारा प्रदत्त देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो ऐसे लोगों, परियोजनाओं और संस्थानों की पहचान करता है जो भारत को एक बेहतर राष्ट्र बनाने के लिये अतिरिक्त प्रयास करते हैं।
▪	इस अवार्ड को वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। यह अवार्ड डिजिटल, वित्तीय और सामाजिक समावेश के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रयासों के लिये प्रदान किया जाता है।